

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	माघ 28, गुरुवार, शाके 1943-फरवरी 17, 2022 <i>Magha 28, Thursday, Saka 1943- February 17, 2022</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, अगस्त 01, 2019

संख्या प. 2 (20) वन/2019 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व हैं अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन-उपज अथवा उसके किसी अंश को स्वत्वधारी (Entitled) है;

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा गैर मूमकिन पहाड को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29, उप-धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है;

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं;

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा गैर मूमकिन पहाड में अथवा उन पर सरकार पर वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के सम्बन्ध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने की आशंका है;

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 का एक्ट, संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेन्ट ऑफिसर/ असिस्टेन्ट फोरेस्ट सेटलमेन्ट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा गैर मूमकिन पहाड में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11(1), 12, 13, 14, 17 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Provision) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और गैर मूमकिन पहाड को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके साथ संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों का हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहीत किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु-पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और गैर मूमकिन पहाड)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से

शासन सचिव

वन विभाग

शासन सचिवालय, जयपुर

प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण		
					ग्राम खसरा नं०	रकबा है० मे	
1	2	3	4	5	6	7	
1	जैतपुर	मण्डावर	दौसा	उत्तर- काश्त भूमि पुर्व- काश्त भूमि (सरकारी भूमि) दक्षिण- काश्त भूमि पश्चिम- सीमा ग्राम, टहलडी	जैतपुर पाखर	318 185	21.26 14.06
					योग		35.32

क्षेत्रीय वन अधिकारी
महवा (दौसा)

उप वन संरक्षक
दौसा

द्वितीय अनुसूची पेड़ों की सूची

क्र.सं.	बोटैनिकल नाम	हिन्दी नाम
1	Acacia Tortilis	आकेशिया टोर्टलिस
2	Holoptelea Integrifolia	पापडी (चुरैल)
3	Acacia Leucophloea	रौंझ
4	Prosopis Juliflora	ज्यूलिफ्लोरो

क्षेत्रीय वन अधिकारी
महवा (दौसा)

उप वन संरक्षक
दौसा

परिशिष्ट - क

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक, द्वारा प्रमाण पत्र

वन खण्ड - जैतपुर

रेंज - महवा

वनमण्डल - दौसा

1. संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण गैर मुमकीन पहाड वन विभाग के नाम दर्ज है। जिसे विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
2. इसमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है।
3. वनखण्ड जैतपुर में वर्ष 2012-13 में प्लानटेशन जैतपुर- टलहडी आर. डी. एफ ॥ 50 है0 कार्य जिसमें 10000 पौधों का पौधारोपण कार्य करवाना गया है ।
4. वन खण्ड में प्रमुख प्रजातियों में रोंझ, चुरैल पापडी, टोर्टलिस ज्यूलिफ्लोर वन खण्ड में प्रमुख प्रजाति मौजूद है ।
5. समिपवर्ती स्थित क्षेत्र राजस्व खातेदारी भूमि है । तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वन खण्ड के वाछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है । एवं विज्ञप्ति में दर्शाई गई दिशाओं, सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्र की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
7. प्रस्तावित क्षेत्र की विज्ञप्ति के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों को कानूनी रूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है। जिससे की इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
8. उक्त भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी

महवा (दौसा)

उप वन संरक्षक

दौसा

 राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।